CEASEMITE®

PROPARGITE 42%+ HEXYTHIAZOX 2% EC

(Insecticide)

(For Agricultural use)

Propargite 42% + Hexythiazox 2% EC (Emulsifiable Concentrate) is a contact and stomach action insecticide.

Recommendations for use :

Crops	Common name of pests	Dosage / hectare a.i. (g/ha)	Formulation (ml/ha)	Water (Litre)	Re-entry period (hrs)	Pre-harvesting interval (days)	Frequency
Tea	Red spider mite	525+25	1250	400-500	24 hrs	7	1-3 sprays depending on pest population
Chilli	Yellow mite	525+25	1250	500	24 hrs	7	1-3 sprays depending on pest population
Apple	European red mite	4.2+0.2 (g/10 L water)	10 (ml/ 10 L water)	10-15 L/tree depending on tree canopy	24 hrs	15	1-3 sprays depending on pest population

Direction of use : It is used for control of pest in Tea, Chilli and Apple crops as per recommendation. Take the measured quantity of insecticide as per recommendation and add to it a small quantity of water. Stir thoroughly using a wooden stick and then add the remaining quantity of water stir well to form final spray solution. **Manner & time of Application:** Application should be done when pest population reaches to ETL using high volume spray fitted with low drift nozzle as per the recommended dose. **Precautions:** 1. Avoid contact with mouth, eyes and skin. 2. Avoid inhalation while spraying. 3. Wash thoroughly the contaminated clothes and parts of the body after spraying. 4. Do not smoke, drink, eat nor chew anything while spraying. 5. Wear full protective clothing which includes apron, rubber gloves, rubber boots and face mask while spraying. **Cautionary statement:** 1. Not to be used for any purpose other than those subscribed on label and leaflets. 2. Destroy the container after use as directed on leaflet. 3. The product is very toxic to aquatic organisms, fish and honeybees, thus its use in and around aquaculture and during active foraging period of bees should be avoided. **4. It is dangerous to re-use empty containers.**

Symptoms of poisoning: Nausea, vomiting, irritation to bronchial tubes and lung tissue, anorexia, ataxia, decreased activity, diarrhea, labored breathing, tremor, salivation, polyuresa , lacrimation and rhinorrhea may occur. **First aid:** 1. If swallowed, do not induce vomiting, unless desired by attending physician. If patient is conscious and alert, rinse the mouth with water, give one to two glass of water, seek medical attention immediately. 2. If clothing and skin are contaminated, remove the clothes and wash the contaminated skin with copious amount of soap and water. If irritation, redness, pain persist, seek medical advice. 3. If eyes are contaminated, flush with plenty of clean water at least 15 minutes. If redness, pain and irritation persist, seek the opinion of eye specification doctor. 4. If inhaled, get the patient to fresh air. If breathing has stopped or irregular, give artificial respiration, mouth to mouth breathing and immediately seek medical advice. **Phytotoxicity:** The product is non phytotoxic when used as per field recommendation. **Antidote /Advice to physicians:** No specific antidote, treat the patient symptomatically. **Storage:** 1. The packages containing the pesticide shall be stored in separate rooms or premises, away from the room or premises used for storing other articles particularly foodstuff & animals feeds and it shall be kept in separate cupboard under lock and key condition. 2. The room or premises meant for storing the pesticide shall be well lit, well ventilated and of sufficient dimension to avoid contamination with vapour. **Disposal of used container:** 1. It shall be the duty of manufacturer, formulators of insecticides and operators to dispose off the washings and surplus materials in a safe manner so as to prevent environmental or water pollution. 2. The used packages shall not be left outside to prevent their re-use. 3. The package shall be broken and buried away from habitation. **Weather condition:** Do not apply insecticide just before rain and avoid spray during windy days. **Soil & water:** There should be sufficient moisture in the soil while spraying of insecticides. **Application Technique:** Application to be done during morning or evening time. Do not apply just before rain and avoid spray during windy days. At a time of application there should be sufficient moisture in the soil. It should be applied in crops, crop stage and with dosage as mentioned in recommendation. Maintain the frequency of application, pre-harvest interval and re-entry period as specify in recommendation. The mixing of insecticide to be done as mentioned in direction of uses. Application should be done by using high volume spray fitted with low drift nozzle as per the recommended dose viz. Knapsack sprayer, foot sprayer, compression knapsack sprayer and ASPEE-HTP power sprayer. **Application timing:** Application to be done during morning or evening time.

Chemical Composition:

Sr. No.	Component	Content (% w/w)
1.	Propargite a.i.	42.00
2.	Hexythiazox a.i.	2.00
3.	Blend of Calcium Salt of linear alkyl benzene Sulphonic acid, lauryl alcohol and castor oil ethoxylate	7.50
4.	Gamma Butyro lactone	1.00
5.	Epoxidized soybean oil	1.00
6.	Solvent Aromatic 150 (Heavy aromatic solvent Naptha)	Q.S.
	Total	**100.00**

(Specific gravity 1.0027)

English

सीजमाईट

प्रोपारजाइट ४२% + हेक्सिथियाज़ॉक्स २% ईसी

(कीटनाशक)

(कृषि उपयोग के लिए)

प्रोपारजाइट ४२% + हेक्सिथियाज़ॉक्स २% ईसी (एमल्सीफ़ायेबल कंसंट्रेट) यह एक संपर्क और उदर कार्यप्रणाली कीटनाशक है।

उपयोग के लिए सिफारिशें:

फसल	कीट का साधारण नाम	प्रति हैक्टेयर मात्रा स.त. (ग्राम)	संरचना (मीली)	पानी (लिटर)	पुनः प्रविष्टी	अन्तिम छिड़काव तथा फसल काटने के बीच अंतराल (दिन)	आवृत्ति
चाय	लाल मकड़ी	५२५+२५	१२५०	४००-५००	२४	७	१-३ छिड़काव कीट की आबादी पर निर्भर है
मिर्च	पिली मकड़ी	५२५+२५	१२५०	५००	२४	७	१-३ छिड़काव कीट की आबादी पर निर्भर है
सेब	युरोपियन लाल मकड़ी	४.२+०.२ (ग्रा॰/१० लि॰ पानी)	१० (मिली/१० लि. पानी)	१०-१५ लि/पेड (पेड की आकारपर निर्भर करता है)	२४	१५	१-३ छिड़काव कीट की आबादी पर निर्भर है

उपयोग के लिए निर्देश: इसका उपयोग सिफारिश के अनुसार चाय,सेब,मिर्च की फसल में कीट के नियंत्रण के लिए किया जाता है । सिफारिश के अनुसार कीटनाशक की मात्रा मापकर लें और इसमें थोड़ी मात्रा में पानी मिलाएं । एक लकड़ी की छड़ी का उपयोग कर अच्छी तरह से हिलाएं और फिर अन्तिम छिड़काव घोल बनाने के लिए पानी की शेष मात्रा को अच्छी तरह से मिलाएं । **रीति और अनुप्रयोग का समय:** कीट आबादी ईटीएल तक पहुंचने पर सिफारिश के अनुसार कम बहाव वाले नोजल के साथ फिट किए गए उच्च वॉल्यूम स्प्रे का उपयोग करके छिड़काव करना चाहिए । **प्रयोगकर्ताओं के लिए सावधानियां:** १. मुँह, आँखें और त्वचा के संपर्क में आने से बचाएँ । २. छिड़काव करते समय इसे साँस के द्वारा शरीर में लेने से बचें । ३. छिड़काव के बाद संदूषित कपड़ों और शरीर के हिस्सों को अच्छी तरह से धो लें । ४. छिड़काव करते समय धूम्रपान करने, कुछ खाने या चबाने से बचें । ५. छिड़काव करते समय पूरे सुरक्षात्मक कपड़े पहनें, जैसे एप्रन, रबर के दस्ताने, रबर के बूट और फेस मास्क आदि । **सावधानियां कथन:** १. लेबल और पर्चा पर जो अभिदत है, उससे भिन्न अन्य प्रयोजन में उपयोग के लिए नहीं । २. पर्ची के निर्देशानुसार उपयोग के पश्चात् आद्यान को नष्ट करें । ३. यह उत्पाद जलीय जीवों, मछलियों और मधुमक्खियों के लिए बहुत विषैला है, इसलिए जलीय कृषि में और उसके आसपास और मधुमक्खियों के सक्रिय फोरेजिंग अवधि के दौरान इसका उपयोग नही करना चाहिए । **४. खाली कंटेनर का पुन: उपयोग खतरनाक है । विषाक्तिकरण के लक्षण:** निचली, उल्टी, फेफड़े और श्वास नलियों में खुजलाहट, भूख न लगना, लड़खड़ाना, क्रियाशीलता में कमी, दस्त, सांस लेने में कठिनाइ, कंपकंपी, लार आना, पॉलीयूरिया, आंखो से पानी आना और रिनोरिया हो सकते है । **प्राथमिक चिकित्सा:** १. अगर निगल लिया, तो तब तक उल्टी प्रेरित न करें जब तक उपस्थित चिकित्सक न कहे । अगर रोगी सजग और सतर्क है, तो पानी से कुल्ला करवाए, १-२ गिलास पानी दें । तुरन्त चिकित्सा सहायता लें । २. अगर कपड़े और त्वचा दूषित है, तो कपड़े उतार दें और दूषित त्वचा को साबुन और पानी की प्रचुर मात्रा में धोएं । अगर जलन, लाली, दर्द जारी रहता है तो चिकित्सक की सलाह लें । ३. अगर आँखे दूषित हो, तो साफ पानी से कम से कम १५ मिनट तक धोएं । अगर जलन, लाली, दर्द जारी रहता है तो आँख के विशेष डॉक्टर की सलाह लें । ४. अगर साँस लेने से लिया हो, तो मरीज को ताजा हवा में ले जाएँ । अगर साँस लेना बंद कर दिया या अनियमित हो गया है, तो कृत्रिम श्वसन, मुँह से साँस दें और तुरंत चिकित्सक से सलाह लें । **पौध विषाक्तता:** सिफारिश के अनुसार उपयोग किए जाने पर यह उत्पाद पौध विषाक्त नहीं है। **विषनिवारक/ चिकित्सकों को सलाह:** कोई विशिष्ट विषनिवारक ज्ञात नहीं है। लाक्षणिक उपचार करें। **संग्रहण की शर्तें:** १. कीटनाशक युक्त पैकेजों को अलग कमरे या परिसर में संग्रहीत करना चाहिए, जो अन्य सामानों विशेषकर खाद्य पदार्थों और पशु चारे को संग्रहीत करने के लिए उपयोग किए जाने वाले कमरे या परिसर से दूर रहे और इसे ताले चाबी के तहत अलग अलमारी में रखना चाहिए। २. कीटनाशक भंडारण वाला कमरा या परिसर अच्छी तरह से प्रकाशित, अच्छी तरह हवादार और वाष्प से संदूषण से बचने के लिए पर्याप्त आयाम का होना चाहिए। **खाली डिब्बों का निपटारा:** १. यह निर्माता, कीटनाशक निर्माता और ऑपरेटर का कर्तव्य है की धोवन और अधिशेष सामग्री आदि का निपटान सुरक्षित रूप से करें, जिससे पर्यावरण और पानी में प्रदूषण न हो। २. उपयोग किए जा चुके पैकेजों को बाहर नहीं छोड़ना चाहिए, जिससे इनका पुनरुपयोग न हो सके। ३. पैकेज को तोड़ दिया जाना चाहिए और उसे बस्ती से दूर गाड़ दिया जाना चाहिए। **मौसम की स्थिति:** बारिश से ठीक पहले कीटनाशक का छिड़काव न करें और हवा चलने वाले दिनों में भी छिड़काव करने से बचें। **मिट्टी और पानी:** कीटनाशक का छिड़काव करते समय मिट्टी में उचित नमी होनी चाहिए। **उपयोग तकनीक:** कीटनाशक का छिड़काव सुबह या शाम के समय करना चाहिए। बारिश से ठीक पहले छिड़काव न करें और हवा चलने वाले दिनों में छिड़काव से बचें। छिड़काव करते समय मिट्टी में उचित नमी होनी चाहिए। इसे फसलों, फसल की अवस्था और खुराक के साथ सिफारिश के अनुसार उपयोग किया जाना चाहिए। सिफारिश में निर्दिष्ट अनुसार उपयोग की आवृत्ति, अन्तिम छिड़काव तथा फसल काटने के बीच अंतराल और पुन: प्रवेश की अवधि बनाए रखें। कीटनाशक का मिश्रण उपयोग के निर्देश में उल्लिखित के अनुसार होना चाहिए। सिफारिश की गई खुराक के अनुसार कम बहाव वाले नोजल के साथ फिट किए गए उच्च वॉल्यूम स्प्रे जैसे नेपसेक स्प्रेयर, फुट स्प्रेयर, कम्प्रेशन नेपसेक स्प्रेयर और ए. एस. पी. ई. ई. – एच. टी. पी. पावर स्प्रेयर का उपयोग करना चाहिए। **आवेदन का समय:** कीटनाशक का छिड़काव सुबह या शाम के समय करना चाहिए।

रासायनिक संरचना:

क्र.	घटक	प्रमाण (% भार/भार)
१.	प्रोपारजाइट स.त.	४२.००
२.	हेक्सिथियाजॉक्स स.त.	२.००
३.	ब्लेन्ड ऑफ कैल्सियम साल्ट ऑफ लिनियर अल्काइल बेन्जीन सल्फोनिक एसिड, लौरिल अल्कोहल ॲंड कैस्टर ऑइल एथोक्सिलेट	७.५०
४.	गामा ब्यूट्यारो लैक्टोन	१.००
५.	इपोक्सिडाइज्ड सोयाबीन तेल	१.००
६.	सोलर्वेट अरोमेटिक १५० (हेवि अरोमेटिक सोलर्वेट नेप्था)	पर्याप्त
	कुल	**१००.००**

(विशिष्ट गुरुत्व: १.००२७)

Hindi

सिजमाईट

प्रोपारजाइट ४२% + हेक्सिथियाझोक्स २% ईसी

किटकनाशक

(शेती उपयोगाकरिता)

प्रोपारजाइट ४२% + हेक्सिथियाझोक्स २% ईसी (इमल्सिफियेबल कॉन्सन्ट्रेट) हे एक स्पर्शजन्य आणि पोटविष क्रिया करणारे किटकनाशक आहे.

वापराची शिफारस:

पिक	किटकाच सामन्य नाव	प्रति हेक्टर प्रमाण ए.आय (ग्रॅम/हे)	संरचना (मि.लि/हे)	पाणी (लिटर)	पुन: फवाराचा काळ	काढणी पुर्वीचा कालावधी (दिवसात)	वारंवारीता
चहा	रेड स्पायडर माईट	५२५+२५	१२५०	४००-५००	२४ तास	७	कीटकांच्या संख्येनुसार १-३ फवारण्या
मिरची	पिवळा कोळी	५२५+२५	१२५०	५००	२४ तास	७	कीटकांच्या संख्येनुसार १-३ फवारण्या
सफरचंद	युरोपियन लाल कोळी	४.२+०.२ (ग्रॅम/१० लि पाणी)	१० (मिली/१० लि पाणी)	१०-१५ लि/झाडाच्या आकारावर अवलंबून	२४ तास	१५	कीटकांच्या संख्येनुसार १-३ फवारण्या

वापराची पद्धती : शिफारशीनुसार याचा वापर चहाच्या पिकामधील कीटकांच्या नियंत्रणासाठी केला जातो. शिफारस केल्यानुसार कीटकनाशकाचे मोजलेले प्रमाण घ्या आणि थोड्याशा पाण्यात मिसळा. एक काठीने त्याला व्यवस्थित हलवा आणि राहिलेले पाणी ओतून व्यवस्थित हलवत अंतिम द्रावण बनवा. **वापराची पद्धती आणि वेळ:** कीटक ईटीएलकडे पोहोचल्यावर, शिफारस केलेल्या डोसनुसार लो ड्रिफ्ट नोझल बसवलेले हाय व्हॉल्यूम स्प्रे वापरले पाहिजे. **सावधानता:** १. डोळे, तोंड आणि त्वचेशी संपर्क टाळावा. २. फवारणीच्या वेळेला श्वसनमार्गात आत जाणे टाळा. ३. फवारणी नंतर दूषित कपडे आणि शरीराचे भाग स्वच्छ साबणाने धुवावे. ४. फवारणीच्या वेळेला काही खाऊ किंवा पिऊ नये, धुम्रपान किंवा गुटखा खाणे सुद्धा टाळावे. ५. संपूर्ण संरक्षक कपडे घालावेत ज्यात एप्रन, हातमोजे, रबरी बूट आणि चेहऱ्याच्या आवरणाचा समावेश होईल. **खबरदारीचे विधान:** १. लेबल किंवा छापील पत्रकावर उल्लेख केलेल्या पिकांव्यतिरिक्त अन्य पिकांसाठी वापरू नये. २. वापरानंतर डबे छापील पत्रकावरील सूचनेनुसार नष्ट करा. ३. हे उत्पादन जलीय जीव, मासे आणि मधमाश्या यांच्यासाठी अत्यंत विषारी आहे,म्हणून त्याचा वापर मत्स्यपालनाच्या आसपास आणि मधमाशांच्या सक्रिय कालावधीत टाळला पाहिजे. **४. रिकामे डबे पुन: वापरणे अत्यंत धोकादायक असते.**

विषबाधेची लक्षणे: मळमळ, वांती, अतीसार, श्वास घेण्यास समस्या, क्रियाशीलतेमध्ये कमतरता, कंपन, लाळ येणे, वारंवार लघवी होणे. **प्रथमोपचार:** १. गिळले गेल्यास, चिकित्सकाने सांगितल्या शिवाय वांती करायला लावू नये. रूग्णास शुद्ध असल्यास, तोंड स्वच्छ पाण्याने धुवावे आणि एक ते दोन ग्लास पाणी पिण्यास द्यावे, त्वरीत वैद्यकिय चिकित्सकाचा सल्ला घ्यावा.२. कपडे आणि त्वचा दूषित असल्यास कपडे काढावे आणि त्वचा भरपूर पाणी आणि साबणाने धुवावी. तरी आग, लाली, वेदना सुरूच राहिल्या तर वैद्यकिय सल्ला घ्यावा. ३. समजा डोळ्यांमध्ये गेले तर डोळ्यांवर किमान १५ मिनिट सतत पाणी मारून डोळे स्वच्छ धुवावे. समजा लाली, वेदना आणि आग होत राहिली तर नेत्रचिकित्सकाचा सल्ला घ्यावा. ४. श्वसनामार्ग आत गेल्यास रूग्णास ताज्या हवेत आणावे. श्वसन थांबले असल्यास किंवा अनियमित झाले असल्यास कृत्रीम श्वासोच्छ्वास द्यावा, तोंडा द्वारे श्वास द्यावा आणि त्वरीत वैद्यकिय चिकित्सकाचा सल्ला घ्यावा. **फायटोटॉक्सिसिटी:** शेतीय शिफारसीनुसार वापर केल्यास उत्पादन फोटोटॉक्सिक नाही. **उतारा / चिकित्सकाचा सल्ला:** विशेष विषरोधक नाही, लक्षणांनुसार रूग्णास उपचार द्यावा. **साठवण:** १. किटकनाशक असलेली पाकिटं ही वेगळ्या खोलीत किंवा आवारात खाद्यपदार्थ किंवा प्राण्यांचे खाद्य असलेल्या खोली किंवा जागेपासून लांब, वेगळ्या कपाटात कुलूप लावून ठेवावे.२. साठवण केलेली खोली किंवा आवार हवेशीर, प्रकाशमय आणि आवश्यक तेवढी मोकळी जागा किंवा परिमिती असलेले असावे, जेणेकरून बाष्पीभवनाचा त्रास होणार नाही. **वापरलेल्या भांड्यांची विल्हेवाट:** १. उत्पादनकर्ता, सूत्रीकरण करणाऱ्यांची तसेच ऑपरेटर्सची ही जबाबदारी असेल की किटकनाशकाचे धुतलेले पाणी, जास्तीचा माल सुरक्षित पद्धतीने नष्ट केले जाईल, ज्युमुळे पर्यावरण किंवा पाण्याचे प्रदूषण होणार नाही. २. पाकिटं बाहेर उघड्यावर टाकू नये, जेणेकरून त्यांचा पुनर्वापर टाळता येऊ शकेल. ३. पाकिट तोडून वसाहतीपासून लांब पूरावे. **वातावरणीय परिस्थिती:** पाऊस येण्या पुर्वी किटकनाशक वापरू नये आणि वारा जास्ती असेल त्या दिवशी देखील फवारणी करणे टाळावे. **माती आणि पाणी:** आवश्यक तेवढा ओलावा मातीमध्ये फवारणीच्या वेळी असावा. **फवारणीची पद्धती:** फवारणी ही सकाळी किंवा संध्याकाळी करावी. पाऊस पडण्यापुर्वी वापरू नये आणि जास्ती वारा असेल त्या दिवशी देखील फवारणी करू नये. फवारणी करण्याच्या दिवशी माती मध्ये पुरेसा ओलावा असावा. याची फवारणी ही पिकावर, पिकाच्या स्तरांच्या दरम्यान शिफारस केलेल्या मात्रेनुसार करावी. फवारणीची वारंवारीता ही कापणी पुर्वी आणि आजार पुन्हा पसरण्याच्या कालावधी दरम्यान शिफारस केल्यानुसार करावी. किटकनाशकाचे मिश्रण तयार करताना दिलेल्या सूचनांचे पालन करावे. फवारणीकरिता उच्च घनता असलेला फवारा आणि लो ड्रीफ्ट नोझल शिफारसी नुसार वापरावा जसे नॅपसॅक फवारा, पायाचा फवारा किंवा कॉम्प्रेशन नॅपसॅक फवारा इत्यादी. **फवारणीचा कालावधी:** किटकनाशक हे सकाळी किंवा संध्याकाळी फवारावे.

रासायनिक घटक:

क्रमांक	घटक	मात्रा (% भा/भा)
१.	प्रोपारजाइट ए.आय	४२.००
२.	हेक्सिथियाझोक्स ए.आय	२.००
३.	लिनियर अल्किलई सल्फोनिक ॲसिड बेन्झ्यिन सल्फोनिक ॲसिड लौरिल अल्कोहोल आणि कॅस्टर ऑईल इथॉक्सिलेट	७.५०
४.	गॅमा ब्युटरयरो लॅक्टोन	१.००
५.	इपॉक्सिडाईज्ड सोयाबीन ऑईल	१.००
६.	सॉल्वेंट ॲरोमॅटिक(हेवी ॲरोमॅटिक सॉल्वंट नॅप्था)	क्यू.एस
	एकूण	**१००.००**

(विशेष गुरूत्व १.००२७)

Marathi

ਸੀਝਮਾਈਟ

ਪ੍ਰੋਪਰਜਾਈਟ ੪੨% + ਹੇਕਸੀਥਾਯਾਝੋਕਸ ੨% ਈਸੀ

ਕਿਟਨਾਸ਼ਕ

(ਖੇਤੀ ਉਪਯੋਗਾਕਰਿਤਾ)

ਪ੍ਰੋਪਰਜਾਈਟ ੪੨% + ਹੇਕਸੀਥਾਯਾਝੋਕਸ ੨% ਈਸੀ (ਈਮਲਿਸਿਫਾਯੇਬਲ ਕੋਨਸਨਟ੍ਰੇਟ) ਐਕਟ ਸਪਰਸ਼ੀਯ ਅਤੇ ਉਦਰ ਕ੍ਰਿਯਾ ਜੰਤੂਨਾਸ਼ਕ ਹੈ.

ਉਪਯੋਗ ਮਾਟੇ ਭਲਾਮਹਾ:

ਪਾਕ	ਜੰਤੂਆਂ ਸਾਮਾਨ੍ਯ ਨਾਮ	ਹੇਕਟਰ ਦੀਠ ਮਾਤ੍ਰਾ ਏ.ਆਈ. (ਗ੍ਰਾ/ਹੇ)	ਸੰਰਚਨਾ (ਮਿਲੀ/ਹੇਕਟਰ)	ਪਾਣੀ (ਲਿਟਰ)	ਪੁਨ: ਪ੍ਰਵੇਸ਼ ਸਮਯ ਗਾਯੋ	ਪੂਰਵ-ਚਲੇਸ਼ੀ ਅੰਤਰ (ਦਿਵਸੋ)	ਸ਼ਤਯਤਾ
ਚਾ	ਲਾਲ ਕਥੀਰੀ	੫੨੫+੨੫	੧੨੫੦	੪੦੦-੫੦੦	੨੪	੭	ਜੰਤੂਨੀ ਪਤੀਤੇਨੇ ਅੰਦੋਰੇ ੧-੩ ਛੰਟਕਾਵ
ਮਰਚ	ਪੀਲੀ ਕਥੀਰੀ	੫੨੫+੨੫	੧੨੫੦	੫੦੦	੨੪	੭	ਜੰਤੂਨੀ ਪਤੀਤੇਨੇ ਆਧਾਰੇ ੧-੩ ਛੰਟਕਾਵ
ਸਫ਼ਰਚੰਦ	ਯੂਰੋਪੀਯਨ ਲਾਲ ਕੋਲੀ	੪.੨+੦.੨ (ਗ੍ਰਾਮ/੧੦ ਲਿ ਪਾਣੀ)	੧੦ (ਮਿਲੀ/੧੦ ਲਿ ਪਾਣੀ)	੧੦-੧੫ ਲਿ/ਝਾਡਾਯਾ ਆਕਾਰਾਵਰ ਅਤਵਲੂਰ	੨੪ ਤਾਸ	੧੫	ਜੰਤੂਨੀ ਪਤੀਤੇਨੇ ਆਧਾਰੇ ੧-੩ ਛੰਟਕਾਵ

ਉਪਯੋਗਨੀ ਦੀਤ: ਏ ਭਲਾਮਹਾ ਅਗੁਸਾਰ ਚਾਨਾ ਪਾਕਮਾਂ ਜੰਤੂਨੇ ਕਾਬੂਮਾਂ ਲੇਯਾ ਮਾਟੇ ਉਪਯੋਗ ਕਰਾਯ ਚੇ. ਭਲਾਮਹਾ ਅਗੁਸਾਰ ਜੰਤੂਨਾਸ਼ਕਨੀ ਮਾਪਨੀ ਮਾਤ੍ਰਾ ਲੋ ਅਨੇ ਤੇਮਾਂ ਸਹੇਯ ਮਾਤ੍ਰਾਮਾਂ ਪਾਣੀ ਓਮੇਰੋ. ਲਾਕਤੀਥੀ ਸਤਤ ਹਲਾਯੋ ਅਨੇ ਤੇ ਪਛੀ ਪਾਣੀਨੀ ਮਾਤ੍ਰਾ ਪਨ ਓਮੇਰੀਨੇ ਆਖਰੀ ਛੰਟਕਾਵਨੂੰ ਮਿਕਸ਼ਰਾ ਰਚਯਾ ਮਾਟੇ ਸਾਰੀ ਰੀਤੇ ਹਲਾਯੋ. **ਛੰਟਕਾਵਨੀ ਰੀਤ ਅਨੇ ਸਮਯ:** ਜੰਤੂਨੀ ਪਸਤਿ ਆਰਿਕ ਨੁਕਸਾਨ ਕਰਪਾਨੀ ਸਪਾਟੀਏ ਪਹੋਂਚੇ ਤ੍ਯਾਰੇ ਭਲਾਮਹਾ ਠਰੇਲੀ ਮਾਤ੍ਰਾ ਅਗੁਸਾਰ ਲੇਅ ਅਤ